दिनांक : 26.06.2020

शोध-प्रबन्ध (डिसर्टेशन) संबंधी सूचना

M.A. II Sem IV के विद्यार्थियों के लिए

M.A Sem IV चारों ग्रुप के छात्रगण समान रूप से अपना शोध-प्रबन्ध 60-65 पृष्ठों में तैयार करें। यदि किसी छात्र ने Type नहीं करवाया है, तब वे साफ और सुन्दर अक्षरों में हाथ से भी लिख सकते हैं। इसे आप 2 प्रति में तैयार करें। विभाग द्वारा दिए गए निर्देश के आधार पर ही इसे तैयार करें।

शोध प्रबन्ध का पूर्णांक 100 है। लेकिन इसके लेखन का पूर्णांक 80 है तथा मौखिकी का पूर्णांक 20 है। आपको लेखन में 48 marks और मौखिकी में 12 marks लाने हैं, यानें कुल 60 marks लाने पर ही आप उत्तीर्ण होंगे।

प्रारूप

1— शोध प्रबन्ध का आवरण पृष्ठ होगा। इसमें Topic का नाम, विश्वविद्यालय का नाम, तथा Logo, वर्ष, निदेशक और शोधार्थी के नाम रहेंगे।

2— आभार / आभारोक्ति

3— विषय सूची

अध्याय	विषय वस्तु	पृष्ठ संख्या
भूमिका		
प्रथम अध्याय	—	
द्वितीय अध्याय	—	
तृतीय अध्याय	—	
चतुर्थ अध्याय	—	

P.T.O

Scanned with CamScanner

अध्याय	विषयवस्तु	पृष्ठ संख्या
पंचम अध्याय	- - -	- - - -

शोध-प्रबन्ध 5 अध्यायों में विभक्त रहेगा। हरेक अध्याय की समाप्ति के पश्चात् पाद-टिप्पणी (References) लिखें।

निष्कर्ष

4- अगर आपने तालिका या चित्र डाला है, तब

क्रम संख्या	विषय वस्तु	पृष्ठ संख्या
1	- - .	- - .
2	- - .	- - .

5. संदर्भ ग्रंथ-सूची।

इन्हीं बिन्दुओं पर शोध-प्रबन्ध तैयार करें।

कुलपति के मौखिक
संवाद के आधार पर-,

डा० कालिन्दी कुमारी
विभागाध्यक्षा
इतिहास विभाग
DSPMU, Ranchi.

Scanned with CamScanner